लापरवाही सीसीटीवी कैमरे रखरखाव के अभाव में हो गए बंद, अधीक्षिका अधिकतर समय रहती हैं अनुपस्थित

छात्रावास में छात्राओं की सुरक्षा से हो रहा खिलवाड़

अमरपुर नवभारत 5 दिसंबर। एक ओर प्रदेश सरकार स्कूलों एंव अपने घरों से दूर छात्रावासों में रहकर पढ़ाई करने वाली छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर नजर आ रही है तो वहीं डिंडोरी में कन्या छात्रावासों में पदस्थ जिम्मेदारों व्दारा बच्चियों के लिए उपलब्ध कराए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अच्छी तरह से रखरखाव नहीं किया जा रहा हैं, जिससे सीसीटीवी कैमरे शोपीस बन गए है। जिम्मेदार नियमों की अवहेलना कर बच्चियों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं।

विभागीय सूत्रों की माने तो अधिक्षिका विमला परस्ते अधिकत्तर समय छात्रावास से अनुपस्थित रहती है, जिसकी जानकारी समूचे स्टाफ को भी है। बालिका छात्रावास में फैली अव्यवस्थाओं को दूर करने के प्रयास भी अधिक्षिका व्दारा नही किए जा रहे हैं।

घटना या दुर्घटना का जिम्मदार कौन होगा?

छात्रावास परिसर में छात्राओं की सुरक्षा के लिए लगवाए गए सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से रखरखाव के अभाव में खराब हो चुके हैं। इनका सुधार कार्य करवाना भी अधिक्षिका ने जरूरी नहीं समझा। सवाल यह है कि छात्रावास में रहकर अध्यापन कार्य करने वाली छात्राओं के साथ सुबह-शाम या फिर देर रात कोई घटना या दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी।

छात्रावास में पुरुष शिक्षक ले रहे क्लास

विभागीय सूत्रों की माने तो लंबे समय से कस्तूरबा गांधी विद्यालय बालिका छात्रावास में सुबह के वक्त ट्यूशन पढ़ाने के लिए पुरुष शिक्षक पहुंच रहे हैं, जबकि बच्चियों की सुरक्षा को देखते हुए अगर महिला शिक्षिका इस कार्य को अंजाम देती तो और बेहतर होता। बता दें कि शाम के वक्त कस्तूरबा गांधी विद्यालय बालिका छात्रावास में लगने वाली ट्यूशन क्लास मॉडल स्कूल में लगाई जा रही है। यहां वंदना नरते विज्ञान व सरिता धुर्वे अर्थ शास्त्र की पढ़ाई कराती हैं।

बिना अनुमति छात्र कर रहे छात्राओं के छात्रावास में प्रवेश

विभागीय सूत्रों की माने तो दोपहर के वक्त स्कूल के छात्र भी बिना अनुमति बालिका छात्रावास में प्रवेश कर रहे हैं, जबकि नियमानुसार छात्रावास से संबंधित कोई भी व्यक्ति शाम 5:00 बजे तक ही अनुमति लेकर प्रवेश कर सकता है। यहां अधिक्षिका विमला परस्ते की लापरवाही का ही परिणाम है छात्राओं के छात्रावास में छात्र बिना अनुमति प्रवेश कर रहे हैं।

इनका कहना है

आपके व्दारा जानकारी उपलब्ध कराई गई है। यदि ऐसा कुछ हैं तो मैं देखकर ही कुछ कह पाऊंगा।

आशीष मथेस, प्राचार्य
मॉडल स्कूल अमरपुर

विकास कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : रीना

मुख्य नगर परिषद अधिकारी ने किया चन्नी तालाब और नगर का निरीक्षण

शहपुरा नवभारत 5 दिसंबर। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नगर के वार्ड क्रमांक 13 में जारी चन्नी तालाब जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण मुख्य नगर परिषद अधिकारी रीना राठौर ने उपयंत्री रितिका मेरावी के साथ किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण स्थल पर चल रहे कार्यों की जानकारी ली और संबंधित ठेकेदार को कार्य में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगर परिषद अधिकारी रीना राठौर ने स्पष्ट किया कि तालाब का यह विकास कार्य नगर के जलसंरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने नगरीय क्षेत्र में भ्रमण कर अवैध निर्माण की भी जांच की। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए।

बिना अनुमति निर्माण करने वालों पर होगी कार्रवाई-मुख्य नगर परिषद अधिकारी रीना राठौर ने कहा कि नगर में निर्माण कार्य करने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य है। बार-बार शिकायतें मिलने के चलते अब बिना अनुमति निर्माण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि नियमों का पालन करते हुए ही निर्माण कार्य करें, ताकि नगर के सुव्यवस्थित विकास में सहयोग मिल सके।

केरल से दिल्ली तक 29 बच्चे बरामद

डिंडोरी पुलिस का सर्च ऑपरेशन सुपरहिट

डिण्डौरी, नवभारत 5 दिसंबर। नाबालिग बालक-बालिकाओं की सुरक्षा, गुमशुदा बच्चों की तलाश और बालिकाओं के पलायन की रोकथाम को लेकर जिले में संचालित ऑपरेशन मुस्कान विशेष अभियान ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

1 नवंबर से 30 नवंबर तक चले इस व्यापक अभियान के दौरान डिण्डौरी पुलिस ने कुल 29 गुमशुदा बच्चों (27 बालिकाएं, 2 बालक) को विभिन्न राज्यों से दस्तयाब कर परिजनों को सुरक्षित सुपुर्द किया। यह पूरा अभियान पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह के मार्गदर्शन में संचालित हुआ। पुलिस टीमों ने संवेदनशीलता और तेजी के साथ काम करते हुए प्रदेश के साथ-साथ केरल, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और दिल्ली तक फैले नेटवर्क में खोजबीन की।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मी सम्मानित-डिण्डौरी पुलिस ने अभियान के दौरान जिन 29 बच्चों को खोज निकाला। उनका राज्यवार विवरण इस प्रकार है— केरल से 5, कर्नाटकसे 1, राजस्थान से 1, तेलंगाना से 1, महाराष्ट्र से 2, छत्तीसगढ़ से 1, दिल्ली से 1, मध्यप्रदेश से 17 बच्चे शामिल है। अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह द्वारा नकद इनाम और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सचिव को लगाई फटकार, दी कार्रवाई की चेतावनी

कलेक्टर ने किया विकास कार्यों का औचक निरीक्षण, अधिकारियों को दिये निर्देश

डिंडौरी,नवभारत 5 दिसंबर। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत धौरई, औरई एवं उदरी में मनरेगा के तहत चल रहे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण कर कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने हितग्राहियों से सीधा संवाद करते हुए न केवल प्रगति की समीक्षा की, बल्कि कई स्थानों पर अधिकारियों को मौके पर ही जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कुछ मामलों में सख्त चेतावनी भी दी। ग्राम धौरई में मनरेगा से निर्मित मां की बगिया का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने हितग्राही सीताबाई द्वारा लगाए गए आम और कटहल के 50 पौधों की स्थिति देखी।

कलेक्टर ने खरीदे पौधे

धौरई रैयत में रोशनी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित नर्सरी का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर भदौरिया ने आम, कटहल, बांस, अर्जुन, मुनगा, शहतूत, नीम एवं सब्जी उत्पादन की प्रशंसा की। उन्होंने नर्सरी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन पौधे स्वयं खरीदकर समूह को प्रोत्साहन दिया।साथ ही, उन्होंने सीईओ जनपद और मनरेगा परियोजना अधिकारी को स्थानीय नर्सरियों से ही पौधों की खरीदी को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए, जिससे समूहों की आय में वृद्धि हो सके।

पौधरोपण का किया निरीक्षण

ग्राम उदरी में मनरेगा से 4.39 लाख रुपये की लागत से किए गए पौधरोपण का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने स्वयं अर्जुन का पौधा लगाया और ग्रामीणों को पौधों की सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में निभाने की अपील की। इस दौरान पीएम आवास एवं जन-मन आवास हितग्राहियों के घरों का भी निरीक्षण किया गया।

जल संकट पर दिया अल्टीमेटम

ग्रामीणों ने पानी की समस्या रखते हुए जलापूर्ति की मांग की। कलेक्टर ने पीएचई विभाग को तीन दिनों में जल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। गांव की कलकतिया बाई और भंवर सिंह ने कलेक्टर को मजदूरी नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने संबंधित सचिव को मौके पर ही कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी शिकायत मिली तो कार्रवाई तय है।

मेमू ट्रेन से टकराए युवक की मौत

नवभारत उमरिया 5 दिसंबर। जिले के करकेली-नौरोजाबाद के बीच रेल लाइन पर चल रहा अज्ञात युवक मेमू ट्रेन की चपेट में आया, जिससे उसकी मौत हो गई।

बिलासपुर-कटनी मेमू ट्रेन चालक ने बताया कि मैं मेमू ट्रेन लेकर उमरिया आ रहा था तभी यह युवक मुझे रेल लाइन में चलते हुए दिखाई दिया। ट्रेन की गति तेज थी। मैंने काफी हॉर्न बजाया इमरजेंसी ब्रेक भी लगाया परन्तु जब तक ट्रेन रूकती युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। चालक ने त्वरित घायल को उठाकर मेमू रेल गाडी में रखकर उमरिया लाया गया। जहां से एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा

गया था। अस्पताल के डयूटी डॉक्टर ने बताया कि युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतक युवक की पहचान के प्रयास किये जा रहे है।

बच्चों को पेन, कॉपी और बैग किए गए वितरित

चंदिया शंकर चैरिटेबल ट्रस्ट एवं एजुकेशन ट्रस्ट की पहल

चिल्हारी नवभारत 5 दिसंबर। चंदिया शंकर चैरिटेबल ट्रस्ट एवं एजुकेशन ट्रस्ट सागर द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को पेन, कॉपी, पानी बाटल, बैग का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में ट्रस्ट के मुख्य सदस्य भूपेश शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा संस्था का परिचय कराया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नागेन्द्र सिंह, विशिष्ट अतिथि टीआई चंदिया थाना, अमित विश्वकर्मा कंट्रोल

रूम प्रभार, सरपंच, प्राचार्य पुष्पेंद्र उपाध्याय, राधे महराज, सचिव संजू सहित शिक्षक एवं ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

बच्चों से किए सवाल-उक्त जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा लगातार जनहित में गरीब परिवारों, स्कूल के बच्चे और ग्रामीणों को समय समय पर सहयोग किया जाता है। इस दौरान अमित विश्वकर्मा कंट्रोल रूम प्रभारी उमरिया के द्वारा बहुत ही सहज रूप से बच्चों से कई जनरल नॉलेज के सवाल किए गए। कुछ का बच्चों ने उत्तर दिया कुछ का नहीं दे पाए।

अतिथि शिक्षिका से चर्चा के बाद कार्यक्रम आयोजित किया-भूपेश शर्मा द्वारा संस्था का उद्देश्य व अतिथियों का परिचय कराते हुए बताया कि विद्यालय की अतिथि शिक्षक प्रतिभा द्विवेदी से संस्था प्रमुख सविता सुहाने व डीआईजी संभाग शहडोल से बातचीत करने के उपरांत पोषण चैरिटेबल ट्रस्ट एवं एजुकेशनल सागर द्वारा कार्यक्रम आयोजित करने का निश्चय किया गया।

नाममात्र की मुरम डालकर सड़क अधूरी छोड़ी, राशि कर ली आहरित

पनपथा-कोठियां सड़क निर्माण में घोटाला

चिल्हारी नवभारत 5 दिसंबर। ग्राम चिल्हारी के समीपी ग्राम पनपथा-कोठियां के सड़क निर्माण में लाखों का घोटाला किया गया। पनपथा से कोठियां सड़क मार्ग निर्माण कार्य के लिए आठ लाख रुपये की स्वीकृति दी गई थी, लेकिन आधी सड़क पर केवल मुरम नाम मात्र की डाल कर घटिया निर्माण किया गया और वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत से राशि आहरित कर बन्दरबाट की गई।

उपरोक्त मार्ग से कोठियां गांव के ग्रामीणों व स्कूली बच्चों का हाट बाजार और पनपथा आकस्मिक चिकित्सा के लिए आना जाना होता है। कुछ ग्रामीणों ने नवभारत से रुबरु होते हुए बताया कि मजदूरों की मज़दूरी का भुगतान भी आज तक नहीं किया गया। कलेक्टर से ग्रामीणों ने अपील की है कि उपरोक्त सड़क मार्ग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया जाये एवं अधूरा कार्य पूरा कराया जाये तथा ग्रामीणों की मजदूरी का भुगतान कराया जाये अन्यथा जन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

पुलिस का स्पा सेंटर में छापा, संचालकों से पूछताछ

स्पा सेंटर से जब्त की गई सीसीटीवी फुटेज, जांच शुरू

नवभारत, कटनी। शहर में संचालित स्पा सेंटरों पर कोतवाली पुलिस ने गुरूवार दोपहर कार्रवाई करते हुए छापेमार कार्रवाई की। पुलिस ने स्पा सेंटर के सीसीटीवी फुटेज जब्त करने के साथ ही कर्मचारियों की जानकारी ली। दरअसल बुधवार को सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें स्पा सेंटर में अनैतिक गतिविधियां होने की जानकारी मिली थी। वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने स्पा सेंटर में दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस को स्पा सेंटरों के अंदर युवक-युवतियां संदिग्ध हालत में मिले। पुलिस टीम ने सभी की पहचान सुनिश्चित की और मौके पर पूछताछ की। तीनों स्पा सेंटरों के संचालकों से भी सख्ती से सवाल-जवाब किए जा रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं इन सेंटरों के माध्यम से अनैतिक गतिविधियां तो नहीं संचालित हो रहीं थीं।

नियमविरुद्ध टाइगर रिज़र्व में अनियमितता, सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के निर्देशों की अनदेखी, अफसर कटघरे में

कोर एरिया में पहुंची 5000 की भीड़, किसने दी इजाजत?

चिल्हारी नवभारत 5 दिसंबर। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में कबीर पंथ का वार्षिक मेला आयोजित हुआ, जिसमें करीब 5 हजार श्रद्धालुओं ने कबीर गुफा तक 8 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा की। यह रास्ता बाघ, तेंदुआ, हाथी जैसे खतरनाक वन्यजीवों के सक्रिय क्षेत्र से होकर गुजरता है, फिर भी भारी खतरे के बावजूद यात्रा सम्पन्न कराई गई।

आश्चर्य की बात यह है कि इस पैदल यात्रा की लिखित अनुमति किसी भी उच्च अधिकारी से नहीं ली गई, जबकि सैकड़ों वन रक्षक मौके पर तैनात रहे। इसी से बड़ा प्रश्न उठता है कि बिना औपचारिक अनुमति के टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र में 5000 लोग कैसे प्रवेश कर गए?

एनजीटी आदेशों व सुको की गाइडलाइन का उल्लंघन

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने देश के सभी टाइगर रिज़र्व में धार्मिक या अन्य गतिविधियों से होने वाले हस्तक्षेप को रोकने के निर्देश देते हुए राष्ट्रीय बाघ प्राधिकरण को इस पर सख्ती से अमल कराने का आदेश दिया था। इसके बावजूद बांधवगढ़ में हुए इस मेले ने वन्यजीव संरक्षण नियमों का खुला उल्लंघन किया है। एनजीटी में दिसंबर 2024 में वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, वाइल्ड लाइफ एक्ट और जल प्रदूषण अधिनियम के उल्लंघन को लेकर याचिका दायर की थी। एनजीटी ने 12 अगस्त को आदेश देते हुए तीन माह के भीतर गाइडलाइन तैयार करने और यात्रियों से ऑनलाइन आवेदन लेकर प्रवेश सीमित करने को कहा था।

प्रबंधन ने व्यवस्था लागू करने में विफल

प्रबंधन द्वारा दिए निर्देशों में कहा गया था कि श्रद्धालुओं को पैदल नहीं, बल्कि जिप्सी के माध्यम से कबीर गुफा तक भेजा जाए। आदेश में 5000 यात्रियों के लिए जिप्सी सुविधा सुनिश्चित करना था, लेकिन पार्क प्रबंधन और जिला प्रशासन दोनों इस व्यवस्था को लागू करने में पूरी तरह विफल रहे। वास्तव में, पैदल यात्रा की अनुमति थी ही नहीं, केवल कबीर पंथ के धर्मगुरु और उनके अनुयायियों के लिए 5 जिप्सियों की विशेष अनुमति थी, जिनमें से सिर्फ 4 जिप्सियां ही गुफा तक गईं।

गंभीर सवाल, किसके आदेश पर खोला गया कोर क्षेत्र

बिना अनुमति हजारों श्रद्धालुओं का कोर क्षेत्र में प्रवेश न केवल वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि कानूनी व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी बड़े प्रश्न खड़े करता है। एनजीटी, सुप्रीम कोर्ट और वन विभाग के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद इस आयोजन का होना सुरक्षा और जवाबदेही दोनों पर गहरी शंका पैदा करता है।

संत के स्मृति स्थल पर शीश नवाने उमड़े श्रद्धालु

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान मे गुरुवार को आयोजित पारंपरिक कबीर मेला इस वर्ष भी श्रद्धा और शांति के साथ संपन्न हुआ। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित अनेक राज्यों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने ताला गेट से प्रवेश कर पैदल यात्रा करते हुए पहाड़ पर स्थित कबीर गुफा और कबीर चबूतरे पर पहुंचकर संत कबीर की विधिवत पूजा-अर्चना की। पूरे मार्ग में श्रद्धालु 'साहब बंदगी' का उद्घोष करते आगे बढ़ते रहे। संत के स्मृति स्थल पर शीश नवाने हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े। मेले के समापन के बाद अपरान्ह 3.30 बजे से श्रद्धालुओं की वापसी आरंभ हो गई।

इनका कहना है

ये पारम्परिक मेला है, हमने जो किया, वो नियम सम्मत था। किसी निर्देश का उल्लंघन नहीं हुआ। न्यायालय ने जो निर्देश दिए, उनका पालन किया गया है।

शुभरजन सेन
वन्य जीव वार्डन